उपर्युक्त मार्ग विभागाध्यक्ष को दुविधा या संशय से निकालने में सहायता कर सकता है। यह केवल पूर्व लिपिक का नौकरी पाना ही सुनिश्चित नहीं करता बल्कि विभागाध्यक्ष की ईमानदारी को उचित ठहरा कर उनके कार्य को विवेक सम्मत निर्धारित करता है।



13. आप सार्वजनिक क्षेत्र के एक उपक्रम (PSU) से वित्त प्रबंधक के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। सेवानिवृत्ति के पश्चात् आपको एक निजी कंपनी में वित्त प्रमुख के पद पर नौकरी का प्रस्ताव आता है और आपने इसे स्वीकार भी कर लिया है। जिस PSU में आप कार्यरत थे, उसके साथ इस कंपनी का सरकारी खरीद हेतु अनुबंध है। अब चूँकि उस अनुबंध का प्रतिस्पर्द्धात्मक रूप से बोली लगा कर पुनर्नवीकरण किया जाना है, आपको उस टीम का नेतृत्व करने को कहा गया है, जिसे इस अनुबंध के लिए बोली लगाने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

PSU में काम करने के दौरान आपको उन विषयों पर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ था जो वित्तीय लेखा कार्य, सरकारी खरीद और अनुबंधों और निविदाओं से सम्बंधित है। आपको इस बात की चिंता है कि यदि आप वर्तमान कंपनी में इस नियत कार्य को स्वीकार करते हैं तो आप गोपनीयता भंग कर सकते हैं। आपको इस बात का भी संदेह है कि सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करने के सम्बन्ध में आपके ज्ञान एवं अनुभव को वर्तमान कंपनी में उक्त पद पर आपकी नियुक्ति के सकारात्मक कारण के रूप में लिया गया था।

इतने बड़े अनुबंध का न मिलना कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा। नीचे दिए गए विकल्पों में से प्रत्येक के गुण एवं दोषों का मूल्यांकन कीजिए और उचित कारण बताते हुए अंततः सुझाइए कि आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे?

(i) इस नियत कार्य को स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि इससे गोपनीयता भंग होगी।

(ii) टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे किन्तु इसे बाहर से मार्ग-दर्शन प्रदान करेंगे।

(iii) टीम का नेतृत्व स्वीकार करेंगे और बोली लगाने हेतु अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करेंगे।

(iv) नौकरी से त्यागपत्र दे देंगे।

किसी अन्य संभावित विकल्प का सुझाव दीजिए। उन सभी का मूल्यंकन कीजिए और कारण बताते हुए सर्वोत्तम कार्यवाही का सुझाव दीजिए।

दृष्टिकोण:

- प्रकरण के महत्वपूर्ण तथ्यों को रेखांकित कीजिए और इसमें सम्मिलित नैतिक दुविधाओं को चिन्हित कीजिए।
- दिए गए विकल्पों के गुण एवं दोषों का मूल्यांकन कीजिए।
- नैतिक मूल्यों से समझौता किए बिना सर्वोत्तम समाधान सुझाइए।

उत्तर:

प्रकरण में शामिल तथ्य:

- पहले मैं एक PSU में कार्यरत था, जहाँ मैंने ऐसी सूचनाओं के साथ गोपनीय कार्यों का संचालन किया है जो सामान्यत: बाहरी व्यक्तियों को उपलब्ध नहीं होती थीं।
- अब मैं एक निजी कम्पनी में कार्य कर रहा हूँ। जिसने मुझे एक ऐसे कार्य में शामिल होने के लिए कहा है, जिसमें मैं अपने पूर्व कार्य की गोपनीयता भंग कर सकता हूँ।
- मुझे संदेह है कि मुझे वर्तमान कम्पनी द्वारा एक PSU में गोपनीय कार्य करने के अनुभव के आधार पर नौकरी पर रखा गया है, जिससे कम्पनी को लाभ होगा।

वर्तमान प्रकरण में नैतिक दुविधा, वर्तमान कम्पनी में कार्य करते हुए पूर्व नौकरी की गोपनीयता को बनाए रखने से संबंधित है।

VISION IAS